सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 224 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 20 सितम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

अगर आपको अपने जीवन के लक्ष्य प्राप्त करने हैं तो आपको अपनी आत्मा से शुरुआत करनी होगी।
-ओपरा विनफ्रे

एशियाड में हार गई भारतीय फुटबॉल... 7 | लोकतंत्र में और ताकतवर होंगी... 3 | सामाजिक न्याय पर खरा नहीं महिला... 2

महिला आरक्षण बिल पर संसद में घमासान जारी

विशेष सत्र का तीसरा दिन : विधेयक पर गर्मागरम बहस

» बिल लाने में देरी पर भाजपा-कांग्रेस में टकराव

» श्रेय लेने की होड़ पर भी शोर-शराबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र का आज तीसरा दिन है। बुधवार को लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक' पर बहस चल रही है। इस बहस के दौरान सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच तीखी नोक-झोंक भी जारी है। भाजपा व कांग्रेस में बिल का क्रेडिट लेने की भी होड़ लगी है। दोनों अपने-अपने को बिल लाने का श्रेय दे रहे हैं। इस बीच कांग्रेस की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने कहा है कि महिला आरक्षण बिल पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का सपना था।

वहीं लोकसभा में महिला आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा में भाग लेने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निशिकांत दुबे खड़े हुए तो विपक्ष के सदस्यों ने किसी महिला सांसद के नहीं बोलने पर आपत्ति जताई, जिस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ''महिलाओं के बारे में भाइयों को भी आगे बढ़कर सोचना चाहिए'।

स्त्री की पहचान से ही मनुष्यता की परीक्षा में पास हो सकते हैं : सोनिया

लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा, यह मेरी जिंदगी का मार्मिक क्षण है, पहली बार स्थानीय निकायों में स्त्री की भागीदारी तय करने वाला संविधान संशोधन मेरे जीवन साथी राजीव गांधी ही लेकर आए थे... बाद में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में कांग्रेस ने उसे पारित कराया था, आज उसका नतीजा है कि आज देश भर के स्थानीय निकायों में हमारे पास 15 लाख चुनी हुई महिला नेता हैं। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने लोकसभा में अपने संबोधन के दौरान महिला सशक्तीकरण पर अहम बातें रखीं। उन्होंने कहा, स्त्री की मेहनत, स्त्री की गरिमा और स्त्री के त्याग की पहचान करके ही हम लोग मनुष्यता की परीक्षा में पास हो सकते हैं। आजादी की लड़ाई और नए भारत के निर्माण हर मोर्चे पर स्त्री पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ी है। वह उम्मीदों, आकांक्षाओं, तकलीफों और घर गृहस्थी के बोझ के नीचे नहीं दबी। सोनिया ने कुछ प्रमुख महिला हस्तियों को याद करते हुए कहा, सरोजिनी नायडू, सुचेता कृपलानी, अरुणा आसफ अली, विजयलक्ष्मी पंडित, राजकुमारी अमृत कौर और उनके साथ तमाम लाखों-लाखों महिलाओं से लेकिन आज की तारीख तक स्त्री ने कठिन समय में हर बार महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, बाबा साहेब अंबेडकर और मौलाना आजाद के सपनों को जमीन पर उतार कर दिखाया है। इंदिरा गांधी जी का व्यक्तित्व इस सिलसिले में एक बहुत ही रोशन और जिंदा मिसाल है।

चुनाव के चलते श्रेय ले रही भाजपा : खरगे

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि पहले ही राज्यसभा में 2010 में हमने (महिला आरक्षण बिल) पास किया है, लोकसभा में किसी कारण बिल पास नहीं हुआ। यह कोई नया विधेयक नहीं है, मेरा अंदाज़ा है कि ये लोग चुनाव की दृष्टि से ऐसा बोल रहे हैं।

कांग्रेस के पास कोई मुद्दा ही नहीं : जावड़ेकर

भाजपा सांसद प्रकाश जावड़ेकर ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर कहा कि इस पर कोई सवाल ही नहीं है कि एक रिवॉल्यूशन बना है। 2010 में कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण बिल लेकर आई थी, भाजपा ने समर्थन भी किया था लेकिन लोकसभा में इस बिल को पास करने की उनकी हिम्मत नहीं थी।

बंद हो श्रेय लेने की होड़ : राउत

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय राउत ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर कहा, बिल पर श्रेय लेने की लड़ाई बंद होनी चाहिए। कल प्रधानमंत्री पुराने संसद भवन से पैदल चलकर नए संसद भवन में आए। इस देश की शुरूआत पैदल चलकर हो गई थी, गांधी जी भी पैदल चले थे।

वेणुगोपाल ने उठाया संविधान की प्रस्तावना में बदलाव का मुद्दा

संसद में बांटी गईं संविधान की प्रतियों को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को कहा, यह कैसे हो सकता है? उनके मन में जो है वह उनके कार्यों से झलकता है। अब प्रस्तावना और संविधान में संशोधन किया गया है। प्रस्तावना में सबसे महत्वपूर्ण शब्द समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष का न होना स्पष्ट रूप से संदेश है जो सरकार दे रही है कि वे इस पर विश्वास नहीं करते। यह पूरी तरह से दुर्भाग्यपूर्ण है।

जातीय जनगणना की भी मांग उठाई

सोनिया ने कहा, राजीव गांधी का सपना अभी तक आधा ही पूरा हुआ है, इस बिल के पारित होने के साथ वह पूरा होगा। कांग्रेस पार्टी इस बिल का समर्थन करती है... मैं एक सवाल पूछना चाहती हूं देश की स्त्रियां अपनी राजनीतिक जुम्मेदारी का इंतजार कर रही हैं लेकिन अभी भी इसके लिए उन्हें कितने वर्ष इंतज़ार करना होगा? कांग्रेस की मांग है कि यह बिल तुरंत लागू किया जाए और जातीय जनगणना भी कराई जाए।

संविधान की प्रति को लेकर सियासी बवाल

» कांग्रेस का आरोप, नए संसद भवन में प्रवेश करते वक्त मिली संविधान की प्रति से समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष शब्द गायब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संविधान की प्रति को लेकर कांग्रेस व भाजपा में वार-पलटवार शुरू हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने नई संसद में मिली संविधान की कॉपी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस संविधान में समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं है। इसे भाजपा नेता सुशील मोदी ने बकवास बताया है। कांग्रेस नेता चौधरी ने कहा की संविधान की जो नई प्रतियां 19 सितंबर को हमें दी गईं, जिन्हें हमने अपने हाथों में पकड़कर नए संसद भवन में प्रवेश किया, उसकी प्रस्तावना में सोशलिस्ट सेक्युलर यानी समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं है।

उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि ये शब्द सन् 1976 में एक संशोधन के बाद जोड़े गए थे, लेकिन अगर आज कोई हमें संविधान देता है और उसमें ये शब्द नहीं हैं, तो यह बहुत चिंता का विषय है। नेता ने कहा कि उन्होंने यह राहुल गांधी को भी दिखाया।

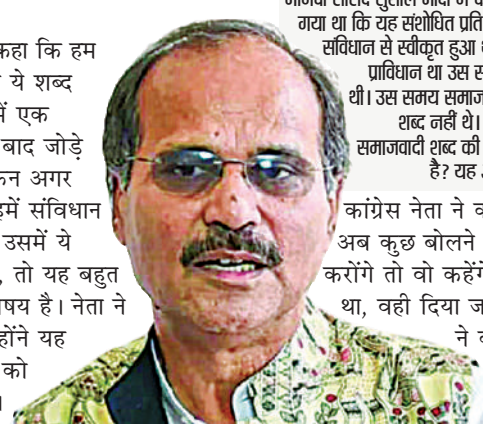

यह अनावश्यक विवाद: सुशील मोदी

भाजपा सांसद सुशील मोदी ने कहा कि यह नहीं कहा गया था कि यह संशोधित प्रति है। यह मूल प्रति, जो संविधान से स्वीकृत हुआ था। उस समय का जो प्राविधान था उस समय की कॉपी दी गई थी। उस समय समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द नहीं थे। उन्होंने कहा कि क्या समाजवादी शब्द की अब कोई प्रासंगिकता है? यह अनावश्यक विवाद है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर अब कुछ बोलने की कोशिश करोंगे तो वो कहेंगे कि शुरू में जो था, वही दिया जा रहा है। चौधरी ने कहा कि लेकिन उनकी मंशा अलग है।

लोस और विस में एससी/एसटी आरक्षण बढ़ाने की संवैधानिकता का परीक्षण करेगा सुप्रीम कोर्ट

» 21 नवंबर से इस मामले को लेकर होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 2019 के 104वें संविधान संशोधन का परीक्षण करेगा। इसके लिए 5 जजों की संविधान पीठ भी गठित की जा रही है, जो 21 नवंबर से इस मामले को लेकर सुनवाई करेगी। कुछ महीने पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने 2019 के 104वें संविधान संशोधन के जरिए लोकसभा व विधानसभाओं में जातिगत सदस्यों के लिए आरक्षण की अवधि बढ़ाए जाने पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा था।

104 वें संशोधन में लोकसभा व विधानमंडलों में ,एससी/ एसटी आरक्षण 80 साल को लिए बढ़ाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ये भी देखेगा कि क्या अनुच्छेद 334 के तहत आरक्षण की निर्धारित अवधि को बढ़ाने का संशोधन संवैधानिक वैध है भी या नहीं। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा कि वो 21 नवंबर से सुनवाई करेगा।

सामाजिक न्याय पर खरा नहीं महिला आरक्षण बिल : अखिलेश

» पिछड़ों और अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं का भी हिस्सा हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महिला बिल पर एक्स के जरिये अपनी प्रतिक्र या देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि इसमें पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी महिलाओं का आरक्षण निश्चित प्रतिशत में स्पष्ट होना चाहिए। संसद में पेश किए गए महिला आरक्षण बिल को सपा सामाजिक न्याय के पैमाने पर खरा नहीं मान रही है। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि महिला आरक्षण में लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए। समाजवादी पार्टी प्रारंभ से ही महिला आरक्षण के भीतर आरक्षण की मांग कर रही है।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने वर्ष 2009 में लोकसभा में कहा था कि महिलाओं को जो 33 फीसदीं सीटें आरक्षित की जाएं, उनमें दलितों के साथ-साथ पिछड़ों और अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं का हिस्सा नियमानुसार निर्धारित किया जाए। उन्होंने दलित, ओबीसी व अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए सीटें निर्धारित किए बिना महिला आरक्षण लागू करना इन समाजों के खिलाफ षड्यंत्र बताया था।

सामाजिक न्याय की राजनीति करने वाले उत्तर भारत के प्रमुख राजनीतिक दल सपा और राजद लगातार कहते आ रहे हैं कि आरक्षण के भीतर आरक्षण दिए बिना महिला आरक्षण को लागू करने का मतलब है-उन सीटों को सामान्य वर्ग के लिए दे देना, जोकि सामाजिक न्याय के लिहाज से उचित नहीं है।

नया विस्तारित परिसर नया राजनीतिक-वैचारिक विस्तार भी देगा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश की नयी संसद भवन के लिए भी देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संसद की नयी इमारत नयी लोकतांत्रिक चेतना के लिए प्रकाश स्तंभ बनेगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि नये संसद भवन के लिए सभी देशवासियों और सभी वर्तमान व भूतपूर्व सांसदों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ! आशा है देश की स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा को ये नया विस्तारित परिसर नया राजनीतिक-वैचारिक विस्तार भी देगा और सांसदों के लिए ये नयापन सिर्फ भवन का नहीं मनन का भी होगा। उम्मीद है कि हमारी पुरानी संसद सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी और नयी संसद नयी लोकतांत्रिक चेतना के लिए प्रकाश स्तंभ बनेगी। बता दें कि इस समय संसद का विशेष सत्र चल रहा है। विशेष सत्र के पहले दिन की कार्यवाही पुरानी संसद भवन की इमारत में हुई। आज मंगलवार से विशेष सत्र के बाकी दिनों की कार्यवाही नयी इमारत में होगी।

सरकार की मंशा ठीक नहीं : डिंपल

सांसद डिंपल यादव ने कहा कि महिला आरक्षण बिल लाने की पीछे सरकार की मंशा ठीक नहीं है। डिंपल यादव ने मीडिया से कहा, मैं इस बिल का समर्थन करती हूं, लेकिन हम चाहते हैं जो आखिरी पंक्ति में खड़ी हुई महिला है, उसे भी उसका हक मिलना चाहिए। हम चाहते हैं कि इसमें ओबीसी महिलाओं को भी आरक्षण मिले ,लेकिन सरकार की मंशा ठीक नहीं है। यह बिल 2024 लोकसभा चुनाव और आने वाले पांच राज्यों के चुनाव में भी लागू नहीं हो पाएगा।

यह मोदी का मास्टरस्ट्रोक : अर्पणा

अर्पणा यादव ने कहा कि हर महिला इस बिल को लेकर खुश है। यह प्रधानमंत्री मोदी की दूरगामी सोच का प्रतीक है। हर महिला को आरक्षण की जरुरत भी है। फिर वह चाहे किसी भी धर्म और जाति की हो। लोकसभा, विधानसभा और राजनीतिक पार्टियों में महिलाओं को आरक्षण मिलना शुरू हो जाएगा। इससे समाज में उनकी स्थिति बदलेगी। यह मोदी का मास्टर स्ट्रोक है। मैं फिर दोहराती हूं कि मोदी है तो मुमकिन है।

2024 से पहले महिला बेवकूफ बनाओ बिल है : आतिशी

» बिल में संशोधन की मांग करेगी आप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि बीती रात को मीडिया के जरिए जानकारी मिली की देश की ससंद में महिला आरक्षण बिल आने वाला है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए संविधान संशोधन बिल सामने आया है। इस बिल को देखने के बाद पता चला कि ये महिला आरक्षण बिल नहीं 2024 से पहले महिला बेवकूफ बनाओ बिल है।

केंद्रीय कैबिनेट ने इस बिल को मंजूरी दे दी है। आगे कहा कि देश की संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण मिलेगा। आम आदमी पार्टी ने महिला आक्षण बिल का स्वागत किया है। देश की संसद और विधानसभाओं में आने वाले इस बिल का हम स्वागत करते हैं। लेकिन अभी हम इस बिल के ऊपर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। जब तक इस बिल की जानकारी नहीं मिल जाती है। जब आप इस बिल के प्रावधानों को पढ़ेंगे तो पता चलेगा कि इस बिल का सेक्शन पांच कहता है कि 2024 के चुनाव में महिलाओं को आरक्षण नहीं मिलने वाला है। इस बिल के पास होने के बाद जब पहली जनगणना होगी। तब महिलाओं को यह अधिकार मिलेगा। यानी कि दो से तीन साल में डिलीमिटेशन होगा। बिल को पूरा होने में चार से पांच साल का वक्त लग जाएगा। हम इस बिल में संशोधन की मांग करते हैं।

हरियाणा की बेटियों को बदनाम कर रहे बृजभूषण : साक्षी मलिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक (हरियाणा)। ओलंपियन साक्षी मलिक ने देरशाम इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो अपलोड कर जींद की अंतरराष्ट्रीय पहलवान का समर्थन किया और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर फिर हमला बोला। साक्षी ने कहा कि हमने आंदोलन बहन-बेटियों को न्याय दिलाने के लिए शुरू किया था और जबसे ये आंदोलन शुरू किया है तबसे आरोपी बृजभूषण के पक्ष के लोग लगातार किसान बिरादरी और हरियाणा की बेटियों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

साक्षी ने कहा कि कुछ दिनों पहले मेरे बारे में भी आरोपी के साथ समझौता करने की अफवाह उड़ाई जा रही थी और उसी आरोपी पक्ष की आईटी सेल जींद की एक अंतरराष्ट्रीय पहलवान का बताते हुए एक अश्लील वीडियो जारी कर उसे बदनाम करने की साजिश कर रही है जो कि गलत है, उस वीडियो का अंतरराष्ट्रीय पहलवान से कोई संबंध नहीं है। पहलवान के नाम से जो वीडियो वायरल किया गया है, उसमें जो लड़की है वो हिमाचल की है।

» ओबीसी वर्ग की महिलाओं को विशेष स्थान नहीं मिलने से नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। सदन में पेश हुए महिला आरक्षण बिल को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती विरोध में आ गई हैं। उन्होंने कहा है कि इस बिल में ओबीसी वर्ग की महिलाओं को विशेष स्थान नहीं दिया गया है। वे अब इस बिल का खुलकर विरोध कर ओबीसी वर्ग की महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का आंदोलन खड़ा करेंगी। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा है कि महिलाओं को हजार दो हजार देने से क्या होगा, देना ही है तो महिलाओं को सदन में अधिक स्थान दो।

उमा भारती ने भोपाल स्थित अपने निवास पर बताया कि देवेगौड़ा जी के समय महिला आरक्षण का बिल पेश किया गया था। उस समय मैंने कहा था कि एससी-एसटी की महिलाओं का भी प्रावधान किया जाए, जिसके बाद बिल रुक गया था। मैंने सुझाव दिया था कि मंडल कमीशन के आधार पर आरक्षण मिले। मैंने पार्टी के हर मंच पर ये मुद्दा उठाया है, जिस पर अटल और आडवाणी जी का भी समर्थन मिला है। जब ये खबर पक्की हुई कि आज महिला आरक्षण बिल पेश होगा तो मैंने पीएम मोदी को पत्र लिखकर ओबीसी आरक्षण की बात कही थी।

पीएम को पत्र लिखा तब भी नहीं सुनी बात

मैंने पीएम को लिखा था कि अगर आज ये प्रावधान नहीं हुआ तो मैं खुले आम इसका विरोध करूंगी। कांग्रेस और खरगे ने मेरी बात के पक्ष में ही आज बात रखी है। लेकिन ये कांग्रेस उस समय कहां गई थी, जब मैंने ये मुद्दा संसद में उठाया था। उमा भारती ने कहा कि खुशी है कि आज महिला आरक्षण बिल पास हुआ है। लेकिन ओबीसी वर्ग की महिलाओं को इसमें छूट न मिलने की कसक मेरे दिल में रह गई है। ऐसे में आज से ही इस बिल के विरोध में अभियान चलेगा। उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री से भी अनुरोध करेंगी कि मध्यप्रदेश की विधानसभा में ओबीसी महिलों को आरक्षण मिले। इसमें मुस्लिम महिलाएं जो चिह्नित हुई हैं, उन्हें भी जगह मिले। पिछड़े वर्ग के लोग विचारधारा से हमारे ही हैं, लेकिन अलग-अलग राज्यों में दूसरे दलों से ये वर्ग मिलने को मजबूर हो गए हैं।

बिना राजनीति के सीटों का हो निर्धारण : माया

» बोलीं- 33 प्रतिशत की बजाय 50 प्रतिशत हो आरक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी महिला आरक्षण बिल का हर हाल में समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि बिल में महिलाओं की सीटें निर्धारित करने को लेकर जो भी मापदंड तय किये जायेंगे, उसमें किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिये। यह बिल समय से भी लागू होना चाहिये। अपने बयान में उन्होंने कहा कि बसपा को इस बार लंबे अर्से से लटके महिला आरक्षण बिल पास होने की पूरी उम्मीद है।

उन्होंने सुझाव दिया कि लोकसभा व राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं का आरक्षण 33 प्रतिशत देने की बजाय 50 प्रतिशत देने पर विचार किया जाना चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने एक बयान में कहा है कि महिलाओं के आरक्षण में से एससी, एसटी व ओबीसी वर्गों की महिलाओं का आरक्षण का कोटा अलग से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसके बिना इन वर्गों की पिछड़ी महिलाओं को सामान्य सीटों पर जल्दी मौका नहीं मिल पाएगा, क्योंकि जातिवादी पार्टियां यहां शुरू से ही इन वर्गों को किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ते नहीं देखना चाहती हैं। इससे यह भी साबित होगा कि बीजेपी व कांग्रेस पार्टी एंड कंपनी के लोगों की जातिवादी मानसिकता अभी तक नहीं बदली है और ये इन वर्गों को अभी भी पिछड़ा बनाए रखना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांगों पर अमल नहीं किया जाता है तब भी बसपा बिल का समर्थन करेगी। वजह, यहां अभी भी सभी जाति व धर्म की महिलाओं को हर मामले में पुरुषों की तुलना में अभी तक काफी पिछड़ा बनाकर रखा गया है।

मेरा सौभाग्य दोनों सदनों में आने का मिला मौका

उन्होंने कहा कि पुराने संसद भवन की विदाई हो चुकी है, जिसे आसानी से भुलाया नहीं जा सकता है। मुझे भी संसद के दोनों सदनों में आने का मौका मिला, जो कि सौभाग्य की बात है। उन्होंने नवनिर्मित संसद भवन की शुरुआत का स्वागत करते हुए कहा कि इसमें केंद्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण बिल प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके पक्ष में बसपा सहित अधिकतर पार्टियां अपना मत दे सकती हैं।

लोकतंत्र में और ताकतवर होंगी महिलाएं !

27 साल पहले पेश हुआ था बिल, अब तक 8 सरकारें आईं-गईं नहीं बनी थी बात

» महिला आरक्षण बिल का प्रस्ताव पारित

» मनमोहन-वाजपेयी सरकार ने भी किया था बिल पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल कानून मंत्री ने पेश कर दिया है। इसका कांग्रेस, बसपा, समेत कई दलों ने समर्थन किया है। बुधवार को इसपर चर्चा होगी उसके बाद इसे पारित किया जाएगा। संसद के नए सदन में पेश होने वाला यह संभवत पहला बिल है। हालांकि ये बिल कई बार लोक सभा में सन 96 से आता रहा पर पास नहीं हो पाया इसबार उम्मीद की जा रही है यह बिल पास हो जाएगा और महिलाओं लोकसभा व राज्य विधानसभाओं में आरक्षण का रास्ता खुल जाएगा।

पास कराने के लिए बीजेपी व कांग्रेस ने इस बार पहल की है। संसद के नए भवन में पांच दिनों का विशेष सत्र हो रहा है। बीजेपी ने सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई तो कांग्रेस ने महिला आरक्षण बिल की सलाह दी। कांग्रेस की राय थी कि नए संसद भवन को ऐतिहासिक बनाने के लिए विधायिका और लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने वाला बिल पास कराया जाए। कांग्रेस के शासन काल में 2010 में यह बिल राज्यसभा से तो पारित हो गया था, लेकिन लोकसभा में समाजवादी पार्टी और आरजेडी जैसी कुछ पार्टियों के विरोध के कारण यह बिल लटक गया। यानी अब इसे सिर्फ लोकसभा से पास कराने की औपचारिकता बाकी है। लोकसभा में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के सदस्यों की संख्या पर्याप्त है और कांग्रेस भी इसके पक्ष में है, इसलिए बिल के पारित होने में कोई संदेह की गुंजाइश नहीं बचती। दिक्कत उन दलों को हो सकती है, जिन्हें इस बिल पर आपत्ति रही है।

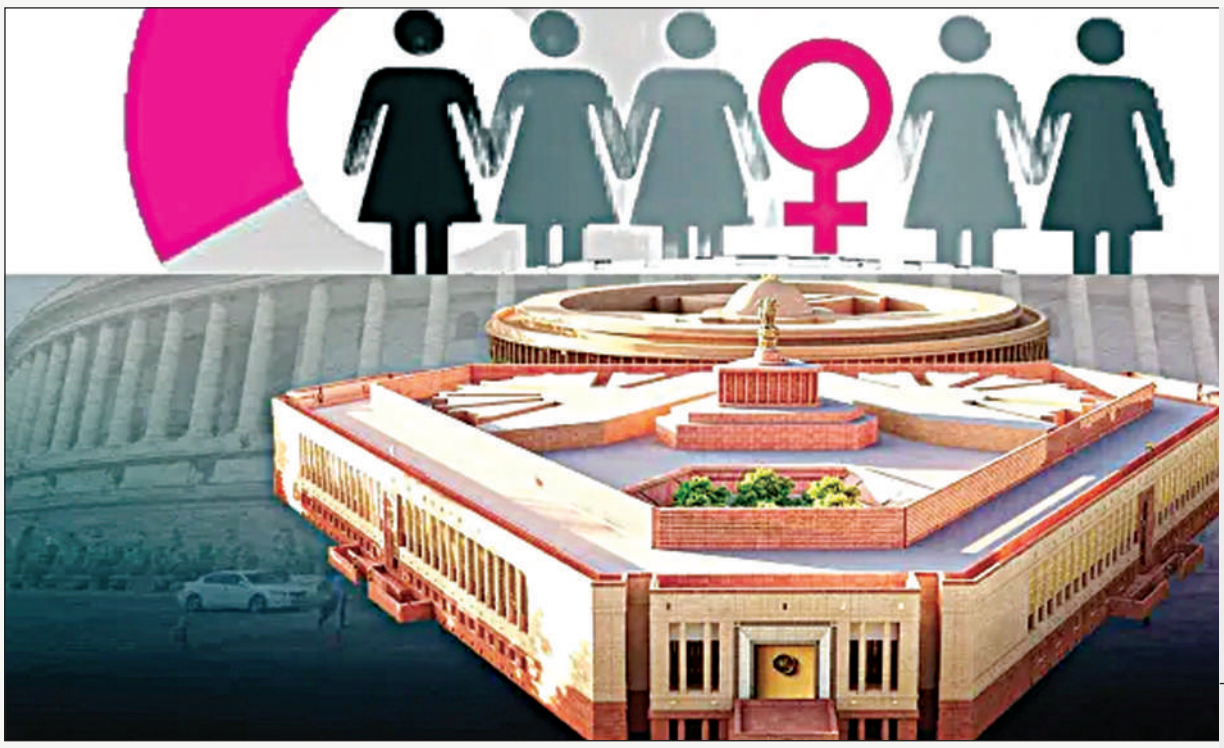

कानून बना तो लोकसभा में होंगी 180 महिलाएं

महिला आरक्षण बिल पास हो जाने पर लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं की संख्या 33 प्रतिशत यानी एक तिहाई हो जाएगी। लोकसभा में तो महिला सांसदों की संख्या बिल पास हो जाने पर 180 हो जाएगी। अभी यह संख्या सिर्फ 78 है। अभी तक लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अधिकतम 14.4 प्रतिशत रहा है। मौजूदा समय में अगर विधानसभाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की बात करें तो यह संख्या भी 15 प्रतिशत से अधिक नहीं है। सबसे अधिक महिला विधायक छत्तीसगढ़ में हैं। उनकी कुल संख्या 14.44 प्रतिशत है। उत्तर पूर्व के दो राज्यों- मिजोरम और नगालैंड में तो एक भी महिला विधायक नहीं है। लोकसभा के आंकड़े देखें तो 1999 में इनकी संख्या नौ प्रतिशत थी। साल 2004 में 8.3, साल 2009 में 10.9, साल 2014 में 11.4 प्रतिशत थी और साल 2019 में इनकी संख्या 14.4 प्रतिशत है।

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण पक्का

महिला आरक्षण बिल एक संविधान संशोधन विधेयक है, जो भारत में लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33प्रतिशत आरक्षण देने की बात करता है, यह बिल 1996 में पहली बार पेश किया गया था, लेकिन अब तक पारित नहीं हो पाया है, महिला आरक्षण बिल का मकसद भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है, भारत में, महिलाओं की लोकसभा में भागीदारी 2023 में केवल 14.5 प्रतिशत है, जो विश्व में सबसे कम में से एक है, महिला आरक्षण बिल के पारित होने से उम्मीद है कि महिलाओं की प्रतिनिधित्व में वृद्धि होगी और वे नीति निर्माण में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी। महिला आरक्षण बिल के समर्थकों का तर्क है कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण और समानता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा, वे कहते हैं कि आरक्षण महिलाओं को राजनीति में प्रवेश करने और नेतृत्व की भूमिकाओं को हासिल करने के लिए एक समान अवसर प्रदान करेगा। महिला आरक्षण बिल के विरोधियों का तर्क है कि यह महिलाओं की योग्यता के आधार पर प्रतिस्पर्धा करने के अधिकार का उल्लंघन करता है, वे कहते हैं कि आरक्षण महिलाओं को विशेषाधिकार प्रदान करेगा और उन्हें योग्यता के आधार पर चुने जाने से रोकेगा।

मुस्लिम महलाओं को मिले कोटा : ओवैसी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार (19 सितंबर) को महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को लेकर सरकार के सामने मांग रखी। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल के अंदर मुस्लिम और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए कोटा हो। हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने कहा, आप किसे प्रतिनिधित्व दे रहे हैं? जिनका प्रतिनिधित्व नहीं है, उन्हें प्रतिनिधित्व दिया जाए जिनका कि प्रतिनिधित्व नहीं है, इस बिल में बड़ी खामी यह है कि इसमें मुस्लिम महिलाओं के लिए कोई कोटा नहीं है, इस कारण हम इसके खिलाफ हैं।

मोदी ने 10 साल क्यों इंतजार किया : सिब्बल

राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने महिला आरक्षण बिल पर सरकार को घेरा है उन्होंने सवाल उठाया है कि जब सभी पार्टियां बिल के समर्थन में थीं, तो फिर 10 साल तक इंतजार करने की क्या जरूरत पड़ी। सिब्बल का कहना है कि ऐसा 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ओबीसी महिलाओं को कोटा मुहैया नहीं कराती है, तो बीजेपी 2024 में यूपी में भी हार सकती है, जरा इस बारे में सोचिएगा!

यूपी में बढ़ेगी महिलाओं की ताकत

संसद से महिला आरक्षण विधेयक पास होने पर यूपी में भी महिलाओं को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। यहां की 26 लोकसभा और 132 विधानसभा सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। आजादी के 75 साल बाद भी यहां आधी आबादी को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका था। वर्तमान में यूपी विधानसभा के 403 सदस्यों में से 48 महिलाएं हैं। यानी, निम्न सदन में उनकी भागीदारी महज 12 फीसदी ही है, जो उनकी जनसंख्या के अनुपात के लिहाज से बेहद कम है। उच्च सदन यानी विधान परिषद में तो उनकी भागीदारी मात्र 6 फीसदी है। यूपी में लोकसभा की कुल 80 सीटें हैं, जिनमें से 11 सांसद ही महिला हैं। इस तरह से यूपी से लोकसभा सीटों में उनका प्रतिनिधित्व देश के औसत 15 फीसदी से कम है। यूपी की कुल लोकसभा सीटों में से 14 फीसदी ही महिलाओं के हिस्से में हैं। राजनीतिक मामलों के जानकार कहते हैं कि महिलाओं को आरक्षण दिए जाने से उनकी राजनीतिक भागीदारी बढ़ेगी, जिससे उनकी मुक्ति के वास्तविक युग की शुरुआत होगी।

नीतीश व मायावती ने की 50% आरक्षण मांग

बसपा प्रमुख ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन किया है। हालांकि उन्होंने कहा कि सरकार अगर 50 प्रतिशत आरक्षण लाए तो और अच्छा होगा। महिलाओं को विधानसभा में आरक्षण का कानून बनाना राज्यों के अधिकार क्षेत्र से बाहर है, इसलिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार चाहते हुए भी इसके लिए कुछ नहीं कर सकते थे। लेकिन उन्होंने अपने स्तर से निकाय और पंचायत चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। नौकरियों में भी उनके आरक्षण की सीमा बढ़ाई। बिहार में सत्ता संभालने के साल भर बाद यानी 2006 में सीएम नीतीश कुमार ने बिहार पंचायत राज अधिनियम 2006 का गठन किया था। महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का नीतीश कुमार का यह ऐतिहासिक कदम था। ऐसा करते समय नीतीश कुमार की सियासी मंशा चाहे जो रही हो, लेकिन उन्हें इसका भरपूर लाभ भी मिला। तब से लेकर लगातार नीतीश कुमार ने महिलाओं के उत्थान के लिए काफी काम किया। नतीजा सबके सामने हैं। नीतीश को महिलाओं का भरपूर समर्थन मिला। पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने वाला बिहार देश का पहला सूबा था।

राज्यसभा में खरगे व सीतारमण में तीखी बहस

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में ओबीसी महिलाओं को आरक्षण मिलना चाहिए। उनके इस बयान पर राज्यसभा में हंगामा हो गया। खरगे ने कहा, सांसद चुन कर आते हैं,बैकवर्ड क्लास और अनुसुचित जाति की महिलाएं उतनी पढ़े लिखी नहीं हैं, उनकी साक्षरता भी काफी कम है, सभी पार्टियों की आदत है कि वो टिकट कमजोर महिलाओं को दे देते हैं, जो लड़ सकती हैं, उन्हें नहीं देते हैं, मुझे मालूम है। इसपर बीजेपी नेताओं ने आपत्ति की, इसके बाद खरगे ने कहा,`रा कहना है कि कमजोर वर्ग के लोगों को हमेशा वो ऐसा कहते हैं कि मुंह नहीं खोलना उस पार्टी में बात नहीं करना, मैं इसलिए कह रहा हूं। उनके इस बयान पर बीजेपी सांसदों का हंगामा जारी रहा, इसपर खरगे ने कहा, मैं सभी पार्टी की बात कह रहा हूं, सभी पार्टी में ऐसी बात है, इसलिए महिलाएं नीचे हैं. उन्हें आगे नहीं बढ़ने देना चाहते हैं। इसके बाद सभापति ने आपत्ति दर्ज कराने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बोलने का मौका दिया, उन्होंने कहा कि ऐसा कहना कि पार्टी महिलाओं को तवज्जो नहीं देती है, यह गलत है, पार्टी ने हम सभी को मौका दिया। मैं आपत्ति दर्ज करवाती हूं, आप जनरलाइजेश (सामान्यीकरण) नहीं कर सकते। सीतारमण ने कहा कि राष्ट्रपति मूर्मु कौन हैं? ऐसे आप नहीं कह सकते हैं, आप कैसे दो महिलाओं में अंतर कर सकते हैं. हम सभी महिलाओं के आरक्षण की बात कर रहे हैं। इसपर सभापति जगदीप धनखड़ ने सुलह की कोशिश की, उन्होंने कहा कि हम ऐतिहासिक विषय पर चर्चा कर रहे हैं। इसके बाद खरगे ने कहा कि मैं सिर्फ यही कह रहा हूं कि हमने लगातार महिला आरक्षण बिल का समर्थन किया है. 2010 में इसे पास कराने की कोशिश भी की. संसद लोकतंत्र का मंदिर है। खरगे ने कहा कि वे हमें श्रेय नहीं देते, लेकिन मैं उनके ध्यान में लाना चाहता हूं कि महिला आरक्षण विधेयक 2010 में पहले ही पारित हो चुका था, लेकिन इसे रोक दिया गया था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

40 साल पहले डाली नींव पर बनी बुलंद इमारत

1985 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कंप्यूटर क्रांति की शुरुआत की थी तब उनकी आलोचना हुई थी। लोगों ने कहा था कि इसके आने के बाद लोगों का रोजगार खत्म हो जाएगा परंतु आज ऐसा नहीं है उस1 कंप्यूटर के दम भारत का डंका आज विश्व में बज रहा है। धीरे-धीरे कंप्यूटर के साफ्टवेयर, हार्डवेयर जो विदेशों से मंगाए जाते वों देश में ही बनने लगे हैं। यहीं नहीं उसका निर्यात भी हो रहा जिसकी वजह भारत के खजाने में भी बढ़ोत्तरी भी हो रही है। कंप्यूटर हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है, शायद ऐसा कोई भी काम नहीं जिसमे कहीं ना कहीं कंप्यूटर का योगदान ना हो, आज आप किसी भी घर में देख लीजिये, आपको सभी के पास डेस्कटॉप, लैपटॉप्स तो मिलेंगे ही, वहीं बड़ी कंपनियों में आपको सर्वर भी मिल जाएंगे, कंप्यूटर के कुछ आधारभूत कंपोनेंट्स होते हैं, जिनके बिना उनके अस्तित्व के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता, जैसे प्रोसेसर, मदरबोर्ड, मेमोरी, और डिस्प्ले आदि. इनमे भी मदरबोर्ड और मेमोरी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, जहां मदरबोर्ड पर कंप्यूटर के सभी कंपोनेंट्स जोड़े जाते हैं, वह एक तरह से कंप्यूटर के तंत्रिका तंत्र का कार्य करता है, जो हर कॉम्पोनेन्ट को जोड़ कर रखता है, वहीं मेमोरी चिप कंप्यूटर के डाटा और प्रोग्राम्स के भण्डारण के लिए उपयुक्त स्टोरेज प्रदान करती है । इन दोनों कंपोनेंट्स के बिना कंप्यूटर संभव ही नहीं है।

दिक्कत की बात ये थी कि अब तक हम अधिकांशत: इनके आयात पर निर्भर थे, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। भारत बेशक इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन में बहुत आगे बढ़ चुका हो, लेकिन आज भी इन दोनों कंपोनेंट्स को दूसरे देशों से आयात ही करना पड़ता है, मदरबोर्ड की बात करें तो इंटेल, गीगाबाइट, एमएसआई, आसुस जैसी कई विदेशी कंपनियां हैं, जो कई दशकों से इस क्षेत्र में हैं, वहीं अगर मेमोरी मॉडल्स और चिप्स की बात की जाए तो सैमसंग, ह्यानिक्स, और माइक्रोन जैसी कंपनियों का इस क्षेत्र में एकछत्र राज है, हर साल करोड़ों लैपटॉप, डेस्कटॉप और सर्वर भारत में बिकते हैं, जिनमे मदरबोर्ड और मेमोरी मॉडल्स और चिप्स आयात करके लगाए जाते हैं,इस कारण एक तो हमारा आयात का आंकड़ा बहुत बढ़ जाता है, दूसरा हम इन कंपोनेंट्स के लिए दूसरे देशो या कंपनियों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन अब यह स्थिति बदलने जा रही है, क्योंकि अब मेक इन इंडिया के अंतर्गत भारत की ही कंपनियों ने देश में ही मदरबोर्ड और मेमोरी चिप और मॉडल्स बनाने का कार्य शुरू कर दिया है। अब भारतीय कंपनी ही भारत में मदरबोर्ड को पूरी तरह से डिज़ाइन कर रही है। स्वदेशी मदरबोर्ड की कीमत उन विदेशी ब्रांडों की तुलना में 10-15 प्रतिशत कम होगी। 40 साल पहले जिस नींव को भारत ने रखा था उस पर बनी इमारत पूरे देश को छाया दे रही है।

“ कंप्यूटर हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है, शायद ऐसा कोई भी काम नहीं जिसमे कहीं ना कहीं कंप्यूटर का योगदान ना हो, आज आप किसी भी घर में देख लीजिये, आपको सभी के पास डेस्कटॉप, लैपटॉप्स तो मिलेंगे ही, वहीं बड़ी कंपनियों में आपको सर्वर भी मिल जाएंगे, कंप्यूटर के कुछ आधारभूत कंपोनेंट्स होते हैं, जिनके बिना उनके अस्तित्व के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कृषि से जुड़ी आबादी को मिले विकास का फायदा

देविंदर शर्मा

बीते दिनों एक राष्ट्रीय दैनिक में प्रकाशित पहले पन्ने की रिपोर्ट ने मेरी बात की ही पुष्टि की गई कि 'कृषि को इतने वर्षों में जानबूझकर गरीब रखा गया है।' जब तक अर्थशास्त्रियों और नीति निर्माताओं के हाथों में कृषि महज महंगाई नियंत्रण के एक औजार के रूप में रहेगा तब तक किसानों को मुश्किलों की उस गहरी दलदल से केवल कोई चमत्कार ही बाहर निकाल सकता है। अपनी इस मौजूदा स्थिति के लिए किस्मत को ही दोष देने वाले किसान शायद ही कभी समझ सकें कि कैसे हकीकत में वे उस दोषपूर्ण आर्थिक प्रारूप के शिकार हैं जो उनके समाज में निचले पायदान पर जैसे-तैसे गुजर-बसर को यकीनी बनाता है। खरीफ सीजन की फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर नीति आयोग, वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग और वाणिज्य मंत्रालय ने अन्य मुद्दों के साथ ही बढ़ती मुद्रास्फीति को चिंता का विषय बताते हुए शंकाएं जताई थीं।

बीती 29 अगस्त को राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक समाचारपत्र में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, जहां वाणिज्य मंत्रालय ने सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग के लिए विश्व व्यापार संगठन के मानदंडों के तहत दायित्वों की बात कहकर आपत्ति जताई, वहीं खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्रालय ने मूल्य वृद्धि के परिणामस्वरूप अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ने की बात सामने रखी। संक्षेप में, ऐसा लगता है कि प्रत्येक संबंधित मंत्रालय को किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में अनुमानित बढ़ोतरी से समस्या थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने आखिरकार खरीफ सीजन के एमएसपी को 6 से 10 फीसदी के बीच कीमतों में वृद्धि को मंजूरी दे दी। यह देखते हुए कि कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) द्वारा गणना की गई उत्पादन लागत में भी उसी अनुपात में वृद्धि हुई है, एमएसपी की घोषणा मुश्किल से उस बढ़ी हुई लागत को पूरा करती है जो किसानों ने फसल उगाने में लगाई।

इसमें रिजर्व बैंक की मैक्रो-प्रबंधन नीतियां शामिल करें, जो सुनिश्चित करती है कि मुद्रास्फीति 4 प्लस/माइनस 2 प्रतिशत के निर्धारित मानक के भीतर बनी रहे; किसानों के पास कम से कम अपनी खेती की लागत पूरी करने के तरीके खोजने के लिए अपना संघर्ष जारी रखने के अलावा कम ही विकल्प बचा है। यह मानते हुए कि कुल उपज का केवल

14 प्रतिशत सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदा जाता है, देश की बाकी 86 फीसदी फसल बाजारों की दया पर निर्भर रहती है। अगर बाजार किसी भी तरह से किसानों के प्रति उदार होता, तो देश में एमएसपी के लिए कानूनी पवित्रता की मांग को लेकर किसान आंदोलनों न बढ़ते। एमएसपी जो सरकार साल में दो बार, रबी और खरीफ सीजन के लिए अलग-अलग घोषित करती है, भी हमेशा सवालों के घेरे में रही है। जबकि सीएसीपी उत्पादन लागत और समग्र मांग पूर्ति की स्थिति के लिए अखिल भारतीय भारित औसत के आधार पर कीमतें तय करता है, और वैश्विक कीमतों को भी देखता है, इस पद्धति पर लगातार सवाल उठे हैं। दिलचस्प यह कि हाल में एक समाचारपत्र में प्रकाशित अन्य न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम नौ प्रांतीय सरकारों ने अपने-अपने राज्यों में बढ़ी उत्पादन लागत के लिए विभिन्न कारणों का उल्लेख करते हुए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय से कीमतों को संशोधित करने के लिए कहा था। यह पहली बार नहीं था कि कुछ सरकारों ने बनिस्बत ज्यादा कीमतों की मांग की। असल में, मेरा मानना है कि अब कुछ दशकों से राज्य सरकारें जो उत्पादन लागत और अनुशंसित कीमत भेजती हैं वे सरकारी वित्त-पोषित कृषि विश्वविद्यालयों से तय की जाती हैं। मसलन, पंजाब ने इस साल धान के लिए 3,234 रुपये कीमत का सुझाव दिया था, जबकि अंतिम अनुशंसा की कई कीमत 2,183 रुपये प्रति क्विंटल थी। केरल ने धान के लिए 3,600 रुपये प्रति क्विंटल की कीमत का सुझाव दिया था, इसी तरह ओडिशा ने 2,930 रुपये प्रति क्विंटल, छत्तीसगढ़ ने 2,800 रुपये क्विंटल, तमिलनाडु ने 2,300 रुपये क्विंटल और पश्चिम बंगाल ने 2,500 रुपये प्रति क्विंटल। खरीफ की दूसरी फसलों के लिए, इन प्रांतों ने फसल मूल्य के सुझाव दिए, जो अंतत: घोषित की गई कीमत के मुकाबले अधिक थे।

मोटे तौर पर खाद्य वस्तुएं उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में भारित औसत का 45 फीसदी हिस्सा होने के चलते सभी का ध्यान खाद्य महंगाई काबू करने पर रहता है। खाद्य वस्तुओं में से किसी की भी कीमत में मामूली तेजी मीडिया में सुर्खी बनती है। इस साल टमाटर की कीमतों का मामला ही लें। जबकि इसकी खुदरा कीमतों ने कुछ समय के लिए ही 200 रुपये प्रति किलोग्राम के आंकड़े को छुआ, समाचार माध्यमों ने मुद्दे को दिन-रात उछाले रखा।

ड्रेस कोड के नाम पर बंदिशों का सिलसिला

क्षमा शर्मा

हाल ही में चीन में कर्मचारियों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि सभी को ऐसे कपड़े पहनने चाहिए जो 'चीन की स्पिरिट' के अनुकूल हों। महिलाएं गहरे गले के कपड़े या जो उनके अंगों को दिखाते हों, न पहनें। गहरे रंगों से भी परहेज करें। कहा जाता है कि चीनी महिलाओं को सजने-संवरने का बहुत शौक है। उन्हें फैशनेबल कपड़े पहनना भी बहुत पसंद है। लेकिन अब सरकार 'चीनी स्पिरिट' के नाम पर इसे रोक रही है। पुरुषों से भी कहा गया है कि उनके लिए आदर्श कपड़े कोट-पैंट हैं। जो ऐसा नहीं करेगा उस पर भारी-भरकम जुर्माना लगेगा। जेल भी जाना पड़ सकता है। चीन के बारे में यह खबर पढ़कर थोड़ा-सा आश्चर्य हुआ। और हो भी क्यों न। यह देश तो अपने आपको समाजवादी कहता है। समाजवादी मूल्यों का वाहक और दावेदार कहलाता है। ऐसे में अपने यहां के लोगों, खास तौर से महिलाओं पर इस तरह के प्रतिबंध क्या इन मूल्यों के विपरीत नहीं। कहा तो यही जाता है न कि समाजवादी समाज में इस तरह की कोई रोक-टोक नहीं होनी चाहिए, लेकिन देख हम कुछ और रहे हैं।

जहां सरकार तमाम प्रतिगामी मूल्य लागू करने पर तुली है, वहां इन बातों का काफी विरोध भी हो रहा है। लोग पूछ रहे हैं कि हम आखिर अफगानिस्तान और ईरान से किस तरह अलग हैं। अफगानिस्तान में तालिबान ने आकर औरतों पर तरह-तरह के प्रतिबंध लागू किए हैं। यहां तक कि उनके स्कूल-कालेज जाने पर भी रोक लगा दी है। विश्व भर में इन प्रतिबंधों की काफी आलोचना भी हुई है। ईरान में एक वर्ष से हिजाब विरोधी आंदोलन चल रहा है। महिलाओं के साथ-साथ इसमें पुरुषों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया है। महिलाएं उन पर लगाए गए तरह-तरह के सरकारी प्रतिबंधों का विरोध कर रही हैं। बहुतों को सजा भी दी गई है। जिस महिला माशा अमीनी की मृत्यु के कारण यह आंदोलन शुरू हुआ था, उसकी मौत को एक वर्ष पूरा हो गया है। वहां की मारल पुलिस की कस्टडी में उसकी मृत्यु हुई थी।

उसे इस्लामिक ड्रेस कोड के उल्लंघन के आरोप में पकड़ा गया था। कहा गया था कि उसने हिजाब नहीं पहना हुआ था। तब औरतों ने जोरदार आंदोलन चलाया था। उन्होंने कहा था कि महिलाओं को जीवन और आजादी चाहिए। तब ईरान ने तमाम तरह के दंड देकर इस आंदोलन को कुचलने की कोशिश की थी। विश्व भर में इस बात पर ईरान की निंदा हुई थी। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन तथा अन्य देशों ने ईरान पर तरह-तरह के प्रतिबंध भी लगाए थे। उन्हें अब और बढ़ा दिया गया है। इस दौर में ईरान में तरह-तरह की कविताएं, कहानियां भी लिखी गईं, जो हिजाब के विरोध और महिलाओं के आंदोलन के समर्थन में थीं। वहां की शायरा शाहरुख हैदर की लम्बी कविता की कुछ पंक्तियां देखिए- मैं एक औरत हूं, अपनी तमाम पाबंदी के बाद भी औरत हूं। क्या मेरी पैदाइश में कोई गलती थी, या वह जगह गलत थी जहां मैं बड़ी हुई। मेरा जिस्म, मेरा वजूद, एक आला लिबास वाले मर्द की सोच और अरबी जबान के चंद झांसे के नाम बिका हुआ है। यह एक ऐसी लम्बी कविता है जिसमें वहां की औरतों के जीवन की तकलीफ बयान की गई है। जिसे पढ़कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

अब जब इस आंदोलन का एक वर्ष पूरा हुआ है तो इस अवसर पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह और उनका देश ईरान के बहादुर लोगों के साथ खड़ा है। जो बाइडेन कुछ भी कहते रहें, धर्म के नाम पर औरतों की आजादी पर तरह-तरह से प्रतिबंध लगाने वाली सरकारों को कोई फर्क नहीं पड़ता। क्या औरतों के विरोध के कारण ईरानी सरकार ने कुछ ढील दी है या अफगानिस्तान में औरतों को कुछ अधिकार मिले हैं। दोनों का जवाब न में है। और अब चीन की बारी है। आगे न जाने कितने देश ऐसी हरकतों में शामिल होने वाले हैं। दूसरी तरफ तुर्किए है। कमाल पाशा को वहां तरह-तरह के सुधारों के लिए जाना जाता है। वहां लम्बे अरसे तक सरकार की तरफ से हिजाब पहनने पर प्रतिबंध रहा है। लेकिन अब वहां की महिलाएं हिजाब पहनने की मांग करती हैं। यह कोई नई बात नहीं है कि औरतों को प्रताड़ित करने, उन्हें दोयम दर्जे की नागरिकता सौंपने के लिए तरह-तरह के उपाय कट्टरपंथी सरकारों द्वारा किए जाते हैं। लेकिन अफसोस की बात यह है कि दुनियाभर के स्त्रीवादियों द्वारा ईरान की औरतों के पक्ष में बहुत कम आवाजें सुनाई दीं।

लगभग इसी समय पर भारत के कर्नाटक में हिजाब समर्थक आंदोलन चलाया गया था। इसे हमारे यहां बहुत से प्रगतिशील तक ने निजी च्वाइस का मामला बताकर चुप्पी साध ली थी। जबकि कर्नाटक में किसी सरकार ने हिजाब पर प्रतिबंध नहीं लगाया था। यह वहां के एक स्कूल की यूनिफार्म से जुड़ा मामला था। यह देखकर और भी हैरत हुई थी कि वे लोग जो लगातार घूंघट और पर्दा प्रथा का विरोध करते आए हैं, वे भी किसी न किसी बहाने इधर-उधर हो लिए थे। यह विरोधाभास क्यों। ईरान, अफगानिस्तान या तुर्किए के मसले में सरकारें जिस बात पर भी रोक लगाती हैं, लोगों में उसकी तीखी प्रतिक्रिया होती है। और इसी प्रतिक्रिया स्वरूप विरोध जन्म लेता है। लोग भूल जाते हैं कि हो सकता है कि सरकार की तरफ से की गई बातों में उनका कुछ भला छिपा हो। जैसा कि तुर्किए का उदाहरण। मगर सरकारी हस्तक्षेप लोगों को पसंद नहीं आता और वह किसी न किसी रूप में विरोध के रूप में फूटता है।

पिता का साथ बेटियों को बनाता है स्ट्रॉन्ग

आमतौर पर कहा जाता है कि बेटियों को मां बनाती है, जबकि एक पिता की ताकत उसे दुनिया के आगे मजबूती से खड़े होने और तमाम चुनौतियों के बावजूद खुले आकाश में उड़ने का हौसला देता है। हर बेटी अपने पिता से क्या उम्मीदें रखती है और किस तरह एक पिता अपनी बच्ची को बेहतर और मजबूत इंसान बनने में मदद कर सकता है। साइकोलॉजी टुडे के अनुसार, शोधों में पाया गया है कि उन लड़कियों में डिप्रेशन की समस्या अधिक देखने को मिली है, जिनका अपने पिता के साथ अच्छा रिश्ता नहीं है और वे खुलकर बातचीत नहीं करते। इस वजह से वह अपनी परेशानियों में अकेलापन महसूस करती हैं। दरअसल, किसी भी लड़की के जीवन में पिता पहला मेल फिगर होता है, जो उसके सबसे करीब होता है। ऐसे में पिता के साथ खुशी और दुख को शेयर करना बच्चों को अंदर से मजबूती देता है और हौसला बढ़ाता है। ऐसा ना होने पर वे कई बार अकेलापन महसूस करती हैं।

साथ में समय बिताएं और केयर करना सिखाएं

बिटिया के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने की कोशिश करें। इस तरीके से आप अपनी लाडली को अच्छी तरीके से जान और समझ सकेंगे और उसका सही तरीके से मार्गदर्शन भी कर सकेंगे। इसके साथ ही बच्ची को खुद की केयर करना भी जरूर सिखाएं, जिससे वो स्वस्थ रहे और उसको किसी के ऊपर निर्भर न रहना पड़े।

फिटनेस टिप्स दें

बेटी को बेटे की तरह ही फिट रहने के टिप्स दें और उसको बचपन से ही स्पोर्ट एंड फिटनेस के प्रति जागरुक रहना सिखाएं। उसको अपना मनपसंद गेम खेलने के लिए मोटिवेट करें। साथ ही बेटी को सभी की हेल्प करना सिखाएं ताकि आपकी बेटी हेल्पिंग और हैप्पी पर्सनालिटी बन कर उभर सके। इतना ही नहीं बेटी को किसी से बहस और मुकाबला करने से दूर रहने की सलाह भी दें।

जरूरतों को समझें

हर बच्ची यह चाहती है कि उसका पिता उसकी जरूरतों को समझें और उसके लिए स्पेशल समय निकालें। अगर वह घर आए तो उससे पूछे कि दिन कैसा गया और परेशानियों का हल निकालने में मदद करें। इसलिए आप उसकी हॉबीज में इंट्रेस्ट दिखाएं और महसूस कराएं कि आप उसके आसपास ही हैं। यही नहीं, वह अपने पिता में रोल मॉडल की खूबियां भी ढूंडती है और अपने पिता के कदमों पर चलना चाहती है।

लाडली पर यकीन रखें

बिटिया का कॉन्फिडेंस बूस्ट करने के लिए जरूरी है कि उस पर विश्वास बनाये रखा जाए। इससे बच्ची की क्षमताओं का विकास होता है, इसलिए अपनी बेटी को मोटिवेट रखने के लिए उस पर भरोसा रखें और उसको बड़े सपने देखने की सलाह दें। इससे बेटी का मनोबल बढ़ता है और जो उसको अत्मनिर्भर बनाने में मदद करता है।

डिसीजन लेना सिखाएं

बेटी में डिसीजन मेकिंग स्किल्स डेवेलप करना सिखाएं और उसके डिसीजन को नजरअंदाज करने की गलती करने से बचें। बच्ची के फैसलों की रिस्पेक्ट करें और उसे दूसरों से पहले खुद से प्यार करना सिखाएं।

बनाता है आत्मनिर्भर

दुनिया में अगर उसका पिता उसका सपोर्ट कर रहा है तो वह हर दुनिया के हर मुसीबतों और चुनौतियों से टक्कर लेने के लिए तैयार रहती है और अपने सपने को पूरा करने के लिए वह जीतोड़ मेहनत कर सकती है, जो शायद उसके लिए संभव ना भी हो। इस तरह कह सकते हैं कि उसे अपने पिता के सपोर्ट की जरूरत जीवनभर महसूस होती है। यह सपोर्ट उसे अंदर से मजबूती देता है और आत्मविश्वास भरता है।

हंसना मना है

दो प्रेमी एक प्लेट में आंखों में आंखें डालकर गोलगप्पे खा रहे थे। प्रेमिका- ऐसे क्यूं देख रहे हो डियर? प्रेमी- एक तो मुझे भी खा लेने दे ना भूखी चुड़ैल।

गर्लफ्रेंड (घोंचूजी से)- क्या तुम मुझसे सचमुच बहुत प्रेम करते हो? घोंचूजी - इसमें कोई शक है क्या? गर्लफ्रेंड- तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो? घोंचूजी- नहीं प्रिये, मेरा तो प्रेम अमर है।

प्रेमी (प्रेमिका से)-तुझमें रब दिखता है, यारा मैं क्या करूं? प्रेमिका- करना क्या है, पैसा फेंको ,माथा टेको और चलते बनो और भी भक्त लाइन में हैं।

ब्वॉयफ्रेंड-तुम्हारे घर गया था, मुझे नहीं लगता हमारी शादी होगी। गर्लफ्रेंड-क्यों, मेरे पापा से मिले क्या? ब्वॉयफ्रेंड - नहीं, तुम्हारी बहन से...

प्रेमी-हम एक-दूसरे को इतना प्यार करते हैं, अच्छी तरह समझते हैं फिर भी तुम शादी के टालमटोल कर रही हो क्या तुम्हें मेरे प्यार पर भरोसा नहीं है? प्रेमिका- तुम्हारे प्यार पर तो भरोसा है ज्ज़पर तुम्हारी प्राइवेट कंपनी की जॉब का क्या भरोसा?

कहानी | मेंढक और बैल

बहुत पुरानी बात है। किसी घने जंगल में एक तालाब था, जिसमें ढेर सारे मेंढक रहते थे। उन्हीं में एक मेंढक अपने तीन बच्चों के साथ रहता था। वो सभी तालाब में ही रहते और खाते-पीते थे। उस मेंढक की सेहत अच्छी-खासी हो चुकी थी और वो उस तालाब में सबसे बड़ा मेंढक बन चुका था। उसके बच्चे उसे देखकर काफी खुश होते थे। उसके बच्चों को लगता कि उनके पिता ही दुनिया में सबसे बड़े और बलवान हैं। मेंढक भी अपने बच्चों को अपने बारे में झूठी कहानियां सुनाता और उनके सामने शक्तिशाली होने का दिखावा करता था। उस मेंढक को अपने शारीरिक कद-काठी पर बहुत घमंड था। ऐसे ही दिन बीतते गए। एक दिन मेंढक के बच्चे खेलते-खेलते तालाब से बाहर चले गए। वो पास के एक गांव पहुंचे। वहां उन्होंने एक बैल को देखा और उसे देखते ही उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। उन्होंने कभी इतना बड़ा जानवर नहीं देखा था। वो बैल को देखकर डर गए और बहुत ज्यादा हैरान हो गए। वो बैल को देखे जा रहे थे और बैल मजे से घास खा रहा था। घास खाते-खाते बैल ने जोर से हुंकार लगाई। बस फिर क्या था, मेंढक के तीनों बच्चे डर के मारे भागकर तालाब में अपने पिता के पास आ गए। पिता ने उनके डर का कारण पूछा। उन तीनों ने पिता को बताया कि उन्होंने उनसे भी विशाल और ताकतवर जीव को देखा है। उन्हें लगता है वो दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली जीव है। यह सुनते ही मेंढक के अहंकार को ठेस पहुंची। उसने एक लंबी सांस भरकर खुद को फुला लिया और कहा 'क्या वो उससे भी बड़ा जीव था?' उसके बच्चों ने कहा, 'हां, वो तो आप से भी बड़ा जीव था।' मेंढक को गुस्सा आ गया, उसने और ज्यादा सांस भरकर खुद को फुलाया और पूछा कि क्या अब भी वो जीव बड़ा था?' बच्चों ने कहा कि ये तो कुछ भी नहीं, वो आपसे कई गुना बड़ा था।' मेंढक से यह सुना नहीं गया, वह सांस फुला-फुलाकर खुद को गुब्बारे की तरह फुलाता चला गया। फिर एक वक्त आया जब उसका शरीर पूरी तरह फुल गया और वो फट गया और अहंकार के चक्कर में अपनी जान से हाथ धो बैठा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ

चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है।

कर्क

व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

सिंह

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

कन्या

सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला

व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे।

वृश्चिक

कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

धनु

आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

मकर

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे।

कुम्भ

सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा।

मीन

प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं अपने वेट और बॉडी को लेकर अभी काफी इंसेक्योर हूं : आलिया

फिल्म मेकर अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड शेन ग्रेगोइरे से इंगेजमेंट की थी जिसकी तस्वीरें भी सामने आई थीं। आलिया एक सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हैं और अब उन्होंने वेट गन इनसिक्योरिटीज को लेकर खुलकर बात की है। आलिया ने हाल ही में अपने ही पॉडकास्ट अपोजिट्स अट्रैक्ट चैनल में अपने मंगेतर शेन ग्रेगोइरे से अपने वजन बढ़ने और उसपर लोगों के कमेंट्स को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है। उन्होंने बताया कि उनके वेट को लेकर जिस तरह के कमेंट्स उनपर किए जाते थे उससे उनके मेंटल हेल्थ पर काफी असर पड़ा। आलिया ने कहा, मैं अपने वेट और बॉडी को लेकर अभी काफी इंसेक्योर हूं।

आलिया कश्यप कहती हैं, यह पागलपन है और ये इनसिक्योरिटी मेंटल हेल्थ के लिए कितनी नुकसानदेह हो सकती है। मैं हमेशा पतली थी और मेरी पूरी जिंदगी में मेरा डायजेस्टिव सिस्टम बहुत अच्छा था। मैं बहुत खाती थी मैं हमेशा अपना वजन बढ़ाना चाहती थी। आलिया ने आगे बताया कि उनकी हड्डियां बहुत डरावनी थीं। उन्होंने कहा, चाहे मैं कितना भी खाऊं, मेरा वजन नहीं बढ़ सका और मेरी मां भी जब छोटी थीं तो वो ऐसी ही थीं। इसलिए मुझे पता है कि यह इनहेरिटेड है।

आलिया ने आगे कहा कि अब उनका वजन बढ़ गया है लेकिन इसपर उन्हें लोगों के कमेंट्स की जरूरत नहीं है। अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए आलिया कहती हैं कि वे अपने वजन को लेकर बहुत परेशान थी और जब भी कोई इसपर कमेंट करता था तो उन्हें बहुत बुरा लगता था। आलिया ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अब बहुत बेहतर जगह पर हूं। मैं अभी भी अपने लुक्स से खुश नहीं हूं और मैं अभी भी इनसेक्योर हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं आज हेल्दी मेंटैलिटी में हूं।

अब साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में नजर आएंगे अरशद वारसी

बॉलीवुड | मसाला

अरशद वारसी के इर्द-गिर्द इन दिनों काफी खबरें चल रही है। पहले तो जाली एलएलबी 3 में उन्हें और अक्षय कुमार को एक साथ आने की खबरें आई। फिर वेलकम टू द जंगल फिल्म में एक बार फिर से उनकी संजय दत्त की जोड़ी बनी। दोनों ने मुन्नाभाई एमबीबीएस और लगे रहो मुन्ना भाई फिल्मों में साथ में काम किया है। उसके बाद अब मुन्ना भाई फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म बनने की चर्चा जोरों पर है।

इसी बीच खबर है कि निर्देशक निधिश पुजक्कल की फिल्म में वह राजनेता की भूमिका में नजर आएंगे। यह एक साइकोलाजिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिलहाल पोस्ट प्रोडक्शन पर काम जारी है।

फिल्म में अरशद के साथ जूही चावला, दिव्या दत्ता और जितेंद्र जोशी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म के बारे में निर्देशक निधिश ने बताया, 'इस फिल्म का नायक नरेन एक राजनीतिक भेड़िये की तरह है। उसकी आदत दुनिया को अपनी इच्छा के हिसाब से चलाने की है, एक दिन कुछ ऐसा होता है कि वह खुद को लेकर असुरक्षित महसूस करने लगता है।

यह फिल्म इंसानी दिमाग और मनोविज्ञान को गहराई से जानने का एक सफर है। आगे निधिश ने बताया कि उन्होंने यह फिल्म अपने बचपन के कुछ अनुभवों के आधार पर लिखा है।

बतौर निर्देशक यह उनकी पहली फिल्म है। इससे पहले अरशद ने फिल्म दुर्गामति में राजनेता का किरदार निभाया था। उसमें उनका किरदार ग्रे शेड था। इसके अलावा अरशद फिल्मकार तिग्मांशु धूलिया के साथ फिल्म घमासान की शूटिंग भी कर चुके हैं। यह फिल्म डाकू ददुआ के एनकाउंटर पर आधारित है।

टाइगर 3 में नजर आएंगी रिद्धि डोगरा

शाहरुख खान की फिल्म जवान बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इस फिल्म को क्रिटिक के साथ फैंस से भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म में शाहरुख के साथ नयनतारा, विजय सेतुपति, सान्या मल्होत्रा और रिद्धि डोगरा अहम किरदार निभाते नजर आए हैं। जवान में धमाल मचाने के बाद रिद्धि सलमान खान और कैटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली है और इसे मनीष शर्मा ने डायरेक्ट किया है। रिद्धि ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने टाइगर 3 के लिए हां क्यों कहा।

रिद्धि डोगरा इन दिनों सुर्खियों में बनीं हुई हैं। फिर चाहे अपनी वेब सीरीज के लिए हो या फिल्म के लिए। दोनों ही जगह रिद्धि का जलवा कायम है। रिद्धि ने एक इंटरव्यू में टाइगर 3 के बारे में बात की। रिद्धि ने बताया कि उन्होंने सलमान खान और कैटरीना कैफ की टाइगर 3 करने के लिए क्यों हां कहा। रिद्धि ने कहा- मैंने टाइगर 3 डायरेक्टर मनीष शर्मा के लिए की है। मैं उनकी बहुत रिस्पेक्ट करती हूं। उनके साथ मेरी पुरानी यादें ताजा हो गईं क्योंकि मैं उन्हें एक्टर बनने से पहले से जानती हूं। मैं मनीष से बहुत पहले मिली थी जब हम डिसाइड कर रहे थे कि हमे क्या करना है। वह मुंबई में मेरे पहले दोस्तों में से एक थे। रिद्धि ने आगे कहा- जब कास्टिंग डायरेक्टर शानू ने मुझे कॉल किया और कहा मनीष इसे डायरेक्ट कर रहे हैं तो मैंने तुरंत हां कह दिया क्योंकि मैं बहुत कंफर्टेबिल थी। इस तरह की बड़ी फिल्मों के सेट पर घबराहट होती है लेकिन जब मुझे पता चला कि मनीष इसका निर्देशन कर रहे हैं तो मुझे तुरंत राहत मिली।

हवा में गुम हुआ जेट, गलती से बाहर गिर गया पायलट, बिना ड्राइवर के उड़े जा रहा प्लेन!

दुनिया का हर देश अपने डिफेन्स पर अरबों रुपए खर्च करता है। इसका मकसद होता है अपने देश को दुश्मनों से बचाना। इसके लिए कई तरह के हथियार, कई तरह के डिफेंस वाहन देश खुद बनाया है या दूसरे देशों से मंगवाता है। लेकिन क्या हो अगर अरबों का एक जेट प्लेन हवा में बिना ड्राइवर के ही उड़ान भरे जा रहा हो तो जरा सोचिये, किसी देश ने अरबों खर्च कर अपने लिए जेट प्लेन मंगवाया हो और ये प्लेन बिना किसी पायलट के यूं ही हवा में उड़े जा रहा हो। आपको लग रहा होगा कि हम मजाक कर रहे हैं। लेकिन आपको बता दें कि अमेरिकी एयरफॉर्स का ये एक जेट प्लेन बिना पायलट के यूं ही हवा में उड़े जा रहा है। एयरफोर्स इस प्लेन की तलाश में है लेकिन अभी तक इसका कोई निशान नहीं मिला है। यूनाइटेड स्टेट्स मिलिट्री ने बेशकीमती F-35 फाइटर जेट प्लेन खो दिया है। गलती से इस जेट का पायलट इजेक्ट हो गया था। उसके बाद से ही इस प्लेन का कोई अता-पता नहीं है। मिलिट्री वाले अब इस मिसिंग जेट की तलाश में लग गए हैं। ये जेट कोई ऐसा वैसा नहीं है। इसके ऊपर अरबों खर्च किये गए हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि पायलट के इजेक्ट हो जाने के बाद से इस जेट ने सैंकड़ों मील का सफर तय कर लिया है। लेकिन अभी तक इसका कोई निशान नहीं मिला है। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, हवा में उड़ते इस जेट को अभी तक स्पॉट नहीं किया जा सका है। वहीं अभी ये बिना पायलट के और भी कई मील तक सफर तय कर सकता है। पायलट के इजेक्ट होने तक जेट को कोई नुकसान नहीं हुआ था। मिलिट्री अब इसके निशान तलाश रही है लेकिन ऐसी कोई खबर नहीं आई है कि कहीं कोई जेट क्रैश किया हो। जेट की तलाश में कई सर्च टीम्स तैनात किये गए हैं। ये कई एरिया में तलाशी जारी रखे हुए है। साथ ही आसपास के रेसिडेंट्स को भी कहा गया है कि अगर उन्हें जेट से जुड़ी कोई जानकारी मिलती है तो उसे मिलिट्री के साथ शेयर करे।

अजब-गजब | न्यूजीलैंड का नेशनल सिंबल सिल्वर फर्न पेड़ है अजीबो-गरीब

इस पौधे की पत्तियों को हाथों पर छूने से इंसान के शरीर पर बन जाती है खूबसूरत डिजाइन

दुनिया में इतने तरह के पेड़-पौधे हैं कि आपको इनमें से बहुतों के बारे में पता भी नहीं होगा। कुछ से तो हम परिचित हैं लेकिन कई हैरान करने वाली चीजें हैं जिनके बारे में जब लोगों को पता चलता है तो हम दंग रह जाते हैं। इंसान से लेकर जानवरों और पेड़-पौधों तक हर जीव के कुछ ऐसे अनोखे और विचित्र पहलू होते हैं, जो हम अब भी नहीं जानते। आज हम आपको इसी तरह के एक विचित्र पौधे के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी पत्तियों के हाथों पर छूने से इंसान के शरीर पर खूबसूरत डिजाइन बन जाती है। इससे जुड़ा हुआ एक वीडियो वायरल हो रहा है, इस वीडियो की खासियत ये है कि इसमें एक ऐसी पत्ती नजर आ रही है जिसे त्वचा पर रखकर ज़ोर से दबाने के बाद हाथ पर टैटू जैसा निशान बन जाता है। ये देखने में बेहद खूबसूरत लग रहा है। अगर आप इस पत्ती को ध्यान से देखेंगे तो ये आपको जानी पहचानी लगेगी। हालांकि ये एक देश के नेशनल फ्लैग का हिस्सा है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि एक शख्स दूसरे के हाथ पर एक पत्ती को जोर से दबाता है। जब वो उस पत्ती को हटाता है तो उसी का डिजाइन शख्स के हाथों पर किसी टैटू की तरह छप जाता है। ये सिल्वर कलर का टैटू होता है, जिसे देखकर आप भी मचल जाएंगे कि आपको भी ये बनाना है। वैसे आपको बता दें कि ये पत्ती न्यूजीलैंड सिल्वर फर्न पेड़ की है जो वहां का नेशनल सिंबल है। इस पत्ती को जोर से दबाने पर पत्तियों का इम्प्रेशन हाथ पर बन जाता है। वीडियो को देखने के बाद लोग हैरान हो रहे हैं क्योंकि ये बिना किसी ज्यादा प्रयास से बेहद सुंदर डिज़ाइन बना रहा है।

जनाक्रोश यात्रा से खोलेंगे भाजपा सरकार की पोल : कांग्रेस

यात्रा आज से शुरू, सात नेताओं को सौंपी गई कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देश पर 19 सितंबर गणेश चतुर्थी के दिन से प्रदेश भर में जन आक्र ोश यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि समूचे मध्यप्रदेश में चारो ओर भयंकर अराजकता, अपराध, भय, भ्रष्टाचार और लूट की खुली छूट चली है। आदिवासी, किसान, दलित, बेटियां, बच्चे, पिछड़े, नौजवान सबकी जबान पर बस एक ही बात है, शिवराज हटाओ प्रदेश बचाओ। आज मध्यप्रदेश के कोने-कोने से कानों में जन आक्रोश का स्वर सुनाई दे रहा है। प्रदेश की जनता की इसी आवा? को सुनकर कांग्रेस पार्टी जन आक्रोश यात्रा का आगाज कर रही है।

प्रदेश भर में जहां शिवराज राज के ख़िलाफ जनता में आक्रोश है तो दूसरी ओर कांग्रेस व कमलनाथ जी द्वारा 27 लाख किसानों का कर्ज माफ, 87 प्रतिशत लोगों का बिजली का बिल 100 रुपये से कम, माफियाओं पर वार, मिलावटखोरों पर प्रहार जैसे क्रांतिकारी निर्णय से आम जनता में जोश है। कांग्रेस व कमलनाथ जी द्वारा 500 रुपये में गैस का सिलेंडर, 100 यूनिट तक बिजली बिल माफ, 200 यूनिट तक हाफ, महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह का इंसाफ, किसानों को 5 हॉर्स पॉवर तक मोटर की बिजली मुफ्त, कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का उपहार, पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ, प्रदेश को जातिगत जनगणना का न्याय, किसानों का कर्ज माफ करने जैसे दिए गए वचनों पर आज प्रदेश की जनता में कांग्रेस व कमलनाथ जी के लिए जोश है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा को आशीर्वाद चाहिए और जनता में आक्रोश है। इन्हें किस बात का जन आशीर्वाद चाहिए, क्या इन्हें विधायकों की खरीद फरोख्त के लिए जन आशीर्वाद चाहिए। क्या इन्हें प्रदेश को चार लाख करोड़ से अधिक के कर्ज में डुबाने का जन आशीर्वाद चाहिए, क्या इन्हें प्रत्येक नागरिक के ऊपर 53 हजार रुपये का कर्ज लादने का जन आशीर्वाद चाहिए, क्या इन्हें पटवारी भर्ती घोटाले का जन आशीर्वाद चाहिए। आज प्रदेश का किसान देश में सबसे ज्यादा कर्जदार है, क्या इन्हें इस बात का जन आशीर्वाद चाहिए। एनसीआरबी के आंकड़े कहते हैं कि महिलाओं के ऊपर सबसे ज्यादा अत्याचार हो रहे हैं, लेकिन इनको बहना का प्यार चाहिए। क्या इन्हें हर काम के लिए 50 प्रतिशत कमीशन लेने का जन आशीर्वाद चाहिए।

जनता का भारी समर्थन मिल रहा : केके मिश्रा

प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि प्रदेश भर में कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही प्रथम दिन की जन आक्रोश यात्रा में जनता का भारी समर्थन मिला है। जनता में भाजपा के खिलाफ आक्रोश है और प्रदेश भर की जनता ने भाजपा सरकार हो हटाने का पूरा मन बना लिया है। कांग्रेसजनों और यात्रा के मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग द्वारा बनाये प्रभारियों का भी पूरा सहयोग यात्रा के दौरान मिल रहा है। यात्रा लगातार 15 दिन से अधिक चलेगी।

यात्रा सात मार्गों में विभाजित

यात्रा को सात मार्गों में विभाजित किया गया है। मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह को रूट नंबर एक, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरूण यादव को रूट नंबर दो, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल को रूट नंबर तीन, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया को रूट नंबर चार, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी को रूट नंबर पांच, पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया को रूट नंबर छह और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी को रूट नंबर सात का प्रभारी बनाया गया है।

जन आशीर्वाद यात्रा से घबराई कांग्रेस : शिवराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी द्वारा मध्यप्रदेश में कराए गए गरीब कल्याण एवं जनहितैषी कार्यों के आधार पर पार्टी आपका आशीर्वाद लेने के लिए प्रदेश में जन आशीर्वाद यात्राएं निकाल रही है। यात्राओं को मिल रहे जन समर्थन से कांग्रेस घबराई हुई है। उनकी जन आक्रोश रैली की हवा निकल गई है और इससे कांग्रेसी बौखलाए हुए हैं और अधिकारियों को धमकी देने लगे हैं। मंगलवार को दिग्विजय सिंह ने एक ट्वीट कर वित्त विभाग के अधिकारियों को धमकी दी है। वे अधिकारियों से कह रहे हैं कि पैसे कहां से आ रहे हैं।

मेरे भाई-बहनों, जब कमलनाथ सवा साल मुख्यमंत्री थे तो रोते ही रहते थे। मैं क्या करूं, मेरे पास पैसे ही नहीं हैं। लेकिन मामा छाती ठोककर कहता है कि मेरे पास पैसों की कमी नहीं है। जनता की सेवा के लिए ही यह सरकार है। उन्होंने जनता को सुविधा नहीं दी, इसीलिए कुर्सी से उतर गए। मैं आप सभी से कहना चाहता हूं इन कांग्रेसियों के बहकावे में मत आना। ये चुनाव आते ही झूठ-फरेब करने लगते हैं और सत्ता में आने के बाद जनता को ही भूल जाते हैं। आपकी सेवा करने वाली जनहितैषी भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनाना है।

दमोह के बांदकपुर धाम में भगवान शिव के दर्शन करने के बाद जन आक्रोश यात्रा का शुभारंभ किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने बीजेपी सरकार पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें जनयात्रा नहीं माफी यात्रा निकालनी चाहिए। यह सरकार किसान विरोधी, महिला विरोधी और युवा विरोधी सरकार है।

भाजपा को निकालनी चाहिए माफी यात्रा : अरुण यादव

50 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार बन गई है। अरुण यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा जो घोषणाएं की जा रही हैं, उनका जनता पर किसी प्रकार का कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है। इसलिए हम कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को जन आशीर्वाद यात्रा की जगह जन माफी यात्रा निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि साल 2023 में कांग्रेस की ही सरकार बनेगी और हमने जो वादा किया है, वह पूरा किया जाएगा।

असिस्टेंट प्रोफेसर की हत्या करने वाले बदमाश का एनकाउंटर

दरोगा की पिस्टल छिनकर भागा था आरोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा के मोहल्ला बाजार के एक मकान में मंगलवार तड़के घुसे बदमाशों ने असिस्टेंट प्रोफेसर आलोक गुप्ता (36) की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। विरोध पर परिवार के छह लोगों को चाकू घोंपकर घायल कर दिया। मौके से पड़ोसियों ने एक बदमाश शाहबाज को दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया।

देर शाम न्यायालय में पेश करने के लिए ले जाते वक्त दरोगा की पिस्टल छीनकर भागे शाहबाज को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने कटरा सीएचसी पर शाहबाज का मेडिकल कराया। वहां से पुलिस टीम उसे न्यायालय में पेश करने के लिए आगे बढ़ गई। पुलिस के मुताबिक, कटरा से करीब पांच किलोमीटर आगे बतलइया गांव के पास पहुंचने पर सड़क पर एक गाय सामने आ गई। उसे बचाने में पुलिस की गाड़ी की रफ्तार धीमी हुई, तभी शाहबाज दरोगा की पिस्टल निकालकर भागा और हाईवे किनारे एक खेत में छिप गया। वहां पहुंची पुलिस पर फायरिंग की।

जवाब में चलाई गई गोली लगने से घायल शाहबाज को पुलिस तिलहर सीएचसी ले गई। वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। शाहबाज के माता-पिता की पहले मौत हो चुकी है। उसका बड़ा भाई साबिर हसन व दो छोटी बहनें हैं, जो घरों में चौका-बर्तन करती हैं। आलोक की हत्या के बाद उसकी बहनें भी घर में ताला डालकर चलीं गई हैं।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में वज्रपात की चेतावनी

बंगाल की खाड़ी पर बने दबाव का असर, भारी बारिश के आसार, कई जिलों के लिए यलो अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिम बंगाल-ओडिशा तटों से दूर उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। इसके कारण अगले दो दिनों में इसके उत्तरी ओडिशा और दक्षिणी झारखंड में पश्चिम उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, इसके प्रभाव के चलते बुधवार की शाम से पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में बारिश व वज्रपात के आसार हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के पूर्वानुमान के मुताबिक, बारिश, गरज और बौछारों का मौसम 25 सितंबर तक रहेगा। 22 को कुछ तेज बारिश हो सकती है, हालांकि इसकी रफ्तार मध्यम ही रहेगी। मंगलवार को भी लखनऊ समेत प्रदेश के

कुछ इलाकों में बरसात हुई। लखनऊ में 14 मिमी से अधिक पानी बरसा, तो चुर्क में 16..8 मिमी और कानपुर नगर में 21..4 मिमी बरसात हुई। बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र,संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में बारिश तो होगी ही, साथ ही वज्रपात को लेकर भी येलो अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है।

लखनऊ में 22 तक होती रहेगी रुक-रुक कर वर्षा

लखनऊ में कभी धूप और कभी छांव का खेल जारी है। मंगलवार को भी ऐसा ही मौसम रहा, दोपहर होते ही अचानक से काले घने बादलों ने डेरा डाला और राजधानी में 14.4 मिमी पानी बरसा। तेज बरसात के बाद फिर धूप खिली और शाम होने के साथ ही काले बादल घिर आए और बूंदाबांदी भी हुई। कभी-कभी स्थानीय कारणों भी बारिश करवा देते हैं। वहीं बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण बुधवार को वज्रपात और बारिश के आसार हैं, ऐसा मौसम 22 सितंबर तक बने रहने के आसार हैं, इसे लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट भी जारी किया है।

एशियाड में हार गई भारतीय फुटबॉल टीम, चीन जीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हांगझोउ । भारत ने 19वें एशियन गेम्स में जीत से शुरुआत की है। यहां चीन के हांगझोउ शहर में चल रहे इन गेम्स में मंगलवार को भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने लीग मुकाबले में कंबोडिया 3-0 से हराया, जबकि ग्रुप-ए के फुटबॉल मुकाबले में भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को चीन ने 5-1 से हरा दिया।

भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का दूसरा लीग मुकाबला बुधवार को साउथ कोरिया के खिलाफ होगा, जबकि फुटबॉल टीम गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगी। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में एकतरफा जीत हासिल की। टीम ने कंबोडिया को पहले गेम में 25-14 के अंतर से हराया। टीम ने पहला गेम 22 मिनट में जीता। इसी प्रकार दूसरा गेम 19 मिनट में 25-13 और तीसरा 19 मिनट में 25-19 से हराया। भारतीय टीम को सबसे ज्यादा अंक जर्सी नंबर-11 अश्वराज ने दिलाए। उन्होंने 17 अंक अर्जित किए, वहीं कंबोडिया से जर्सी नंबर-15 मॉर्गन ने सबसे ज्यादा 9 अंक बटोरे। पुरुष फुटबॉल के ग्रुप-ए के पहले मुकाबले में भारतीय फुटबॉल टीम को करारी हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम को मेजबान चीन ने 5-1 के अंतर से हराया। वर्तमान में भारत वर्ल्ड रैंकिंग में 101वें पायदान पर है, जबकि चीन 81वीं रैंक टीम है। लेकिन भारतीय टीम अपने इस मोमेंटम को दूसरे हाफ में बरकरार नहीं रख सकी और मेजबान टीम ने एक के बाद एक चार गोल और ठोंक दिए। भारतीय टीम पूरे मुकाबले में एक गोल ही कर सकी, जो राहुल केपी के बूट से आया। फुटबॉल पहले लीग मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार शुरुआत की।

मेजबान टीम को गाओ ताई ने 17वें मिनट में गोलकर 1-0 की बढ़त दिलाई, हालांकि भारतीय स्टार राहुल केपी ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। यहां हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 की बराबरी पर था। राहुल केपी ने 9 साल बाद एशियन गेम्स में भारत की ओर से गोल दागा , हालांकि दूसरे हाफ में चीन के दाई विजून ने 51वें, ताओ कियांगलोंग ने 72वें और 75वें और फेंग हाओ ने मैच के इंजरी टाइम में गोल दागे।

उधारी नहीं चुकाने पर निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कानून की धज्जियां उड़ाने का काम दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। ताजा खबर यूपी के नोएडा से है, जहाँ मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। वहीं यहां पर 5,600 रुपये के कुल ऋण में से 3100 रुपये का भुगतान नहीं कर पाने पर आढ़ती और उसके साथियों ने 35 वर्षीय लहसुन

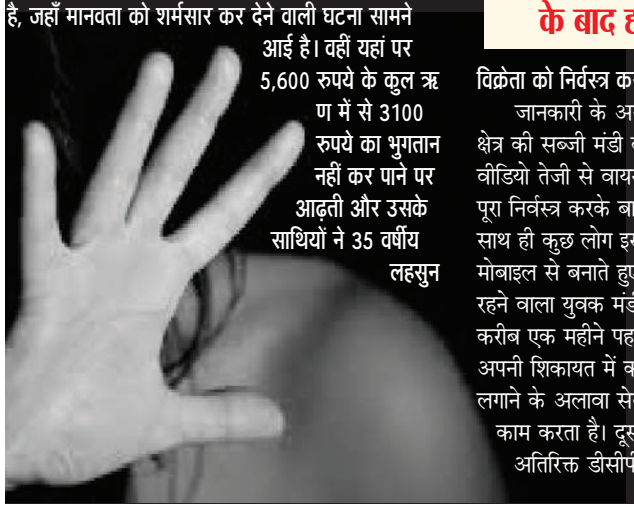

» शर्मसार : यूपी में नहीं रूक रही अराजकता, वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आयी पुलिस

विक्रेता को निर्वस्त्र कर उसके साथ मारपीट की।

जानकारी के अनुसार मामला नोएडा के थाना फेज 2 क्षेत्र की सब्जी मंडी का है। वहीं सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक शख्स को पूरा निर्वस्त्र करके बाजार में घुमाया जा रहा है, इसके साथ ही कुछ लोग इस शर्मसार घटना का वीडियो अपने मोबाइल से बनाते हुए दिखाई दिए। बता दें मैनपुरी का रहने वाला युवक मंडी में ठेले पर लहसुन बेचता है। वहीं करीब एक महीने पहले ऋण लेने वाले लहसुन विक्रेता ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह लहसुन का ठेला लगाने के अलावा सेक्टर 88 के फल-सब्जी बाजार में काम करता है। दूसरी ओर इस मामले पर बोलते हुए अतिरिक्त डीसीपी राजीव दीक्षित ने कहा कि 'आढ़ती' सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि मामले में सोमवार को ही कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई थी।

5,600 रुपये की उधारी में से 3,100 के लिए की शर्मनाक हरकत

सोमवार को वह आढ़ती सुंदर सिंह को 5,600 रुपये की उधारी में से 2,500 रुपये चुकाने गया और अनुरोध किया कि वह बाकी का कर्ज भी चुका देगा। इसी बीच आढ़ती ने अपने अकाउंटेंट और दो मजदूरों को दुकान पर बुलाया उन्होंने मुझे दुकान के अंदर पकड़ लिया, मुझे निर्वस्त्र किया और मुझे लाठी-डंडों से पीटा और गालियां दीं। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें विक्रेता को कपड़े उतारने के लिए मजबूर करने और उसे गालियां देते हुए दिखाया गया है। बाद में उस निर्वस्त्र व्यक्ति को बिना कपड़े के दुकान से बाहर खुले में भेज दिया जाता है।

आजमगढ़ में घर में घुसकर पिता-पुत्र पर फायरिंग, मौत

आजमगढ़। महराजगंज थाना क्षेत्र के सरदहा बाजार में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष आमने सामने हो गए। इस घटना में एक पक्ष द्वारा चलाई गई गोली से दूसरे पक्ष के पिता और पुत्र घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मामला दो वर्गों के बीच होने के कारण सूचना मिलते ही मौके पर काफी संख्या में पुलिस पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर छानबीन में जुट गई। जानकारी के अनुसार सरदहा बाजार में रसीद और दिनेश की आमने सामने कपड़े की दुकान है। ग्राहकों को लेकर अक्सर दोनों में विवाद होता रहता था। इस बात को लेकर दोनों ही एक दूसरे से रंजिश रखते थे। बुधवार की सुबह किसी बात को लेकर दोनों पक्ष भिड़ गए। इस दौरान दिनेश पक्ष से गोली चला दी गई। गोली रसीद (55) और उसके बेटे शोएब (22) को लगी। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। वहीं मामला दो पक्षों का होने के कारण एसपी अनुराग आर्य खुद भी मौके पर पहुंच गए और बाजार में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में दो महिला नक्सली ढेर

» सुरक्षाकर्मियों ने दंतेवाड़ा और सुकमा बार्डर पर की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में बुधवार को सुरक्षाकर्मियों ने मुठभेड़ में दो महिला नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दंतेवाड़ा और सुकमा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र के नगरम-पोरो हिरमा गांव के जंगल में सुरक्षा बलों ने दो महिला नक्सलियों को मार गिराया है।

उन्होंने बताया कि अरनपुर पुलिस थाना क्षेत्र में राज्य पुलिस की इकाई जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दल को गश्त पर रवाना किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दल जब आज सुबह लगभग सात बजे दंतेवाड़ा-सुकमा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र नगरम-पोरो हिरमा गांव के जंगल में था तब नक्सलियों ने सुरक्षा बल पर गोलीबारी शुरू कर दी।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल के जवानों ने जब जवाबी करवाई की तब नक्सली वहां से भाग गए। अधिकारियों ने बताया कि बाद में घटनास्थल की तलाशी लेने पर सुरक्षा बलों को वहां एक इंसास राइफल, 12 बोर का एक राइफल और दो महिला नक्सलियों के शव मिले। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

रवि प्रकाश ने की पीएम से कैंसर को अधिसूचित करने की अपील

» प्रधानमंत्री को लिखा पत्र- सरकार के पास उपलब्ध होंगे आंकड़े

» असाध्य बीमारी को ठीक करने में मिलेगी मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वरिष्ठ पत्रकार व जनता के सरोकारों से संबंधित खबरे उठाने वाले रवि प्रकाश झारखंडी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कैंसर जैसे असाध्य बीमारी को अधिसूचित बीमारी की श्रेणी में डलवाने की मांग की है। उन्होंने लिखा कि इससे कैंसर के मरीजों की सटीक जानकारी व आंकड़े सरकार के पास उपलब्ध हों जाएंगे।

वरिष्ठ पत्रकार झारखंडी ने लिखा कि मैं इस जद्दोजहद में था कि आपको (पीएम)मेल करूँ या फिर एक खुली चिट्ठी लिखी जाए। फिर लगा कि ट्विटर पर सार्वजनिक चिट्ठी लिखूँ, तो शायद मेरी बात आप तक पहुँच जाए। इसलिए अपनी बात यहाँ लिख रहा हूँ। उम्मीद है मेरी बात आप तक पहुँच जाएगी।

अब अंतिम बात। कैंसर को तत्काल अधिसूचित बीमारियों की श्रेणी में डलवा दें। ऐसा करने से आपको सटीक आँकड़े मिलेंगे। और, जब आपके पास सटीक आँकड़े होंगे, तो जाहिर है कि सरकार बेहतरीन निर्णय ले सकेगी। आपको (पीएम) को जन्मदिन की पुन :बधाई। प्रणाम। वरिष्ठ पत्रकार रवि प्रकाश आजकल अपना इलाज मुंबई में करवा रहे। उन्होंने एक भावुक अपील करते हुए अपने चाहने वालों को दुआओं के लिए धन्यवाद भी ट्विट्र अकाउंट पर लिखा है। उन्होंने लिखा सुबह नाश्ते के बाद हम अस्पताल में थे, मेरी 45 वीं कीमोथेरेपी के वास्ते। दोपहर बाद घर वापस आए, तो पत्नी ने तीज पूजा की। वे मेरे लिए निर्जला व्रत पर थीं। पूजा तो हुई ही, उससे पहले कीमो भी हो गया। अंतिम स्टेज के कैंसर के साथ ऐसे चलती है हमारी जिंदगी।

अधिसूचित रोग क्या है?

इसमें डॉक्टरों को अपने मरीजों में बीमारी के होने की सूचना जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को देनी होती है। यह अधिकारियों को बीमारी के प्रसार की जानकारी एकत्र करने, बीमारी की निगरानी करने और प्रारंभिक चेतावनियां निर्धारित करने में मदद करेगा। यह वह बीमारी है जिसके होने की सूचना कानूनी तौर पर सरकार को देनी होती है। डब्ल्यूएचओ अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम 1969 ने रोग रिपोर्टिंग को अनिवार्य बना दिया है। इससे डब्ल्यूएचओ को उसकी वैश्विक निगरानी और सलाहकार की भूमिका में मदद मिलेगी। वर्तमान में यह सूची केवल तीन मुख्य रोगों अर्थात् पीला बुखार, हैजा और प्लेग तक सीमित है। वैश्विक स्तर पर पशुओं के रोगों की निगरानी करता है। यह उल्लेखनीय बीमारियों की एक सूची रखता है। चूंकि स्वास्थ्य राज्य का विषय है, केवल राज्य सरकारों को अधिसूचित रोग घोषित करने का अधिकार है। हालांकि, केंद्र सरकार अधिसूचित रोगों की एक सूची रखती है।

तमिलनाडु सीएम के बेटे उदयनिधि स्टालिन के फिर बिगड़े बोल

छुआछूत खत्म करने को सनातन धर्म खत्म करना जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के युवा मामले और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने एक बार फिर सनातन धर्म पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि छुआछूत को खत्म करने के लिए सनातन धर्म को खत्म करना होगा। दरअसल, स्टालिन तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के बयान पर पलटवार कर रहे थे।

राज्यपाल ने एक कार्यक्रम में कहा था कि दुर्भाग्य से हमारे समाज में कुछ भेदभाव हैं। एक बड़े तबके के भाई-बहनों को समानता की नजर से नहीं देखा जा रहा। ऐसा करने के लिए हिंदू धर्म में कहीं नहीं कहा गया है। यह एक सामाजिक बुराई है और निश्चित तौर पर इसका खात्मा होना चाहिए। इस बयान

उदयनिधि स्टालिन

पर पलटवार करते हुए स्टालिन ने कहा कि जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए ही सनातन धर्म को समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि अगर सनातन नष्ट हो जाएगा, तो छुआछूत भी नष्ट हो जाएगी।

भाजपा कर रही बाधाएं पैदा

वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने ऑल इंडिया फेडरेशन फॉर सोशल जस्टिस के सम्मेलन के दौरान कहा कि हम सभी सामाजिक न्याय बनाए रखने के लिए लगातार लड़ रहे हैं, लेकिन भाजपा इसमें बहुत सारी बाधाएं पैदा करती है। भाजपा नहीं चाहती कि गरीब, पिछड़े वर्ग के लोगों की हालत सुधरे। उन्होंने कहा कि जब डीएमके ने सरकार बनाई तो हमने सामाजिक न्याय निगरानी समिति का गठन किया जो इस बात की निगरानी करेगी कि सामाजिक न्याय को ठीक से बनाए रखा जा रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि इसी तरह, सभी राज्यों को एक सामाजिक न्याय निगरानी समिति का गठन करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में उदयनिधि के खिलाफ एक और अर्जी दाखिल

नई दिल्ली। सनातन धर्म को लेकर की गई टिप्पणी को लेकर तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं, अब उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक और अर्जी दाखिल की गई है, उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ यह अर्जी यूपी के बदायूं के रहने वाले हिमांशु कुमार ने दाखिल किया है, इस अर्जी में सनातन धर्म के खिलाफ और अपमानजनक टिप्पणी करने से रोकने का निर्देश देने की मांग भी की है। सुप्रीम कोर्ट में यह वकील अश्विनी उपाध्याय ने नफरत फैलाने वाले भाषण के खिलाफ कार्रवाई और सुधारात्मक कदम उठाने की मांग करते हुए दाखिल की है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।